Literacy for a Billion

Movie: Madhumati
Year: 1958

Song: Suhana Safar Aur Ye Mousam
Lyricist: Shailendra

सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
हमें डर है हम खो ना जाएँ कहीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं

ये कौन हँसता है फूलों में छुपकर
बहार बेचैन है किसकी धुन पर
ये कौन हँसता है फूलों में छुपकर
बहार बेचैन है किसकी धुन पर
कहीं गुनगुन कहीं रुनझुन
कि जैसे नाचे ज़मीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
हमें डर है हम खो ना जाएँ कहीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं

ये गोरी नदियों की चलना उछलकर
कि जैसे अलहड़ चले पी से मिलकर
ये गोरी नदियों की चलना उछलकर
कि जैसे अलहड़ चले पी से मिलकर
प्यारे प्यारे ये नज़ारे
निखार है हर कहीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
हमें डर है हम खो ना जाएँ कहीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं

वो आसमाँ झुक रहा है ज़मीं पर
वो आसमाँ झुक रहा है ज़मीं पर
ये मिलन हमने देखा यहीं पर
वो आसमाँ झुक रहा है ज़मीं पर
ये मिलन हमने देखा यहीं पर
मेरी दुनिया मेरे सपने
खिलेंगे शायद यहीं

सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
हमें डर है हम खो ना जाएँ कहीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं
सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.